नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 095
दि. 03.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी ने वाराणसी में लगभग 2,200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के वाराणसी में लगभग 2,200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सावन के पावन माह में वाराणसी के परिवारों से मिलकर उनसे अपनी हार्दिक भावनाएं व्यक्त की। वाराणसी के लोगों के साथ अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए, श्री मोदी ने शहर के प्रत्येक परिवार के सदस्य के प्रति अपना आदरपूर्वक अभिवादन किया। श्री मोदी ने सावन के पावन महीने में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के किसानों से जुड़ने पर भी संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनकी वाराणसी की पहली यात्रा है। उन्होंने 22 अप्रैल को

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को याद करते हुए कहा कि इसमें 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। श्री मोदी ने पीड़ित परिवारों, विशेषकर इस त्रासदी से प्रभावित बच्चों और बेटियों के दुःख को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि उनका हृदय इस दुःख से अत्यंत व्याकुल है और प्रधानमंत्री ने बताया कि उस दौरान उन्होंने बाबा विश्वनाथ से सभी शोक संतप्त परिवारों को यह कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का उनका वादा पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भगवान महादेव के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि हाल के दिनों में, वे वाराणसी में शिव भक्तों की दिव्य छवियां देख रहे थे, विशेषकर सावन के पहले सोमवार को, जब तीर्थयात्री बाबा विश्वनाथ का पवित्र जलाभिषेक करने के लिए निकलते हैं। उन्होंने गौरी केदारनाथ से अपने कंधों पर पवित्र गंगाजल लाते यादव बंधुओं के मनोरम दृश्य का उल्लेख करते हुए इसे बेहद मनमोहक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डमरू की ध्वनि के साथ गलियों में जीवंत ऊर्जा का वातावरण अलौकिक था। श्री मोदी ने सावन के पवित्र महीने में बाबा विश्वनाथ और मार्कंडेय महादेव के दर्शन करने की अपनी व्यक्तिगत इच्छा व्यक्त की।

सावन में सीएम योगी का पीएम मोदी को खास तोहफा; बनारस मेटल रिपोंसी क्राफ्ट शिवलिंग की जानिए खासियत

वाराणसीः (जीएनएस)।

सावन का पवित्र महीना चल रहा है. इस महीने में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है. शनिवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सावन के महीने में भगवान विश्वनाथ और मार्कण्डेय महादेव के दर्शन की इच्छा तो जताई लेकिन, दर्शन नहीं कर पाए. उन्होंने इसकी वजह भी बताई.

पब्लिक को परेशानी से बचने के लिए सभा स्थल से ही भगवान विश्वनाथ को नमन कर लिया. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खास तोहफा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया. सावन के पवित्र महीने में मुख्यमंत्री ने एक अद्भुत शिवलिंग और अरघा भगवान भोलेनाथ के सर्प और अन्य चीजों के साथ प्रधानमंत्री मोदी को तोहफे के तौर पर दिया, जो अपने आप में बेहद खास है.

इस खास गिफ्ट के बारे में पद्मश्री से सम्मानित जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनी

कांत बताते हैं कि इस बार बहुत ही विशिष्ट उपहार मुख्यमंत्री ने काशी के संसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी आगमन पर दिया है. यह जीआई रजिस्टर्ड बनारस मेटल रिपोंसी क्राफ्ट से निर्मित सम्पूर्ण शिवलिंग, पांच फन नाग, नंदी, प्रसाद, कलश में गंगा जल, त्रिशूल, चंदन भस्म और मीनाकारी की चौकी पर सुशोभित कलाकृति है.

18 इंच ऊंचाई और 15 इंच चौड़ाई की इस कलाकृति में काशी के तीन जीआई क्राफ्ट मेटल रिपोंसी क्राफ्ट, मीनाकारी और मेटल कास्टिंग क्राफ्ट का समागम है. जिसे धातु शिल्पी अनिल कसेरा, रघुनाथ कसेरा और मीनाकारी के अरुण कुमार वर्मा ने एक सप्ताह के निरंतर प्रयास से तैयार किया.

इसके बाद से समस्त शिल्पी समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है. यही जीआई की ताकत है कि आज प्रधानमंत्री ने काशी के सिल्क, भदोही की कालीन के साथ ही बुनकरों, शिल्पियों को आगे बढ़ाने के लिए स्वदेशी और लोकल से ग्लोबल का पुनः आह्वान किया. इनके हितों की रक्षा का स्पष्ट संदेश भी दिया है, क्योंकि जीआई ही कानूनी लोकल है और पूरी दुनिया में भारत से पहुंच रहा है.

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटना में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त के वितरण के अवसर पर किसानों को संबोधित किया

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्माः शिवराज सिंह चौहान

पीएम-किसान योजना के तहत अब तक ₹3,77,000 करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित हुईः शिवराज सिंह चौहान

बिहार मखाना उत्पादन का अग्रदूतः शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किश्त के वितरण के शुभ अवसर पर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटना, बिहार में विशाल किसान समुदाय, अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित किया। सावन के पवित्र महीने में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री श्री प्रेम कुमार और अन्य सम्मानित अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में, श्री चौहान ने किसानों, विशेष रूप से बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों का अभिनंदन किया और उनकी मेहनत व योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, किसान इसकी आत्मा हैं और उनकी सेवा करना उनका परम धर्म है।

बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और कृषि विरासत का उल्लेख करते हुए, श्री चौहान ने भगवान बुद्ध की तपस्या और मां गंगा की प्रबलता से पवित्र इस धरती की महिमा बताई। उन्होंने बिहार की मेहनतकश जनता की प्रशंसा की, जिनका योगदान विश्व स्तर पर सराहा जाता है।

उन्होंने बिहार की ज्ञान परंपरा और श्रमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि 'बिहार का ज्ञान और श्रम अतुलनीय है। यही भूमि महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह की साक्षी भी रही है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी।'

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के खेती को लाभकारी बनाने के संकल्प को दोहराया। पीएम-किसान योजना के तहत अब तक ₹3,77,000 करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। इस अवसर पर, ₹20,000 करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में जमा की गई, जिससे देशभर के लाखों किसान परिवारों को वित्तीय सहायता मिली।

श्री चौहान ने प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने, विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों में, प्रधानमंत्री धन धान्य योजना जैसे प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने बिहार में मखाना उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान और कृषि विज्ञान को खेतों से जोड़ने की निरंतर कोशिशों को रेखांकित किया।

कोपिली नदी (एनडब्ल्यू 57) पर परिचालन शुरू; चंद्रपुर से असम के हाटसिंगिमारी के लिए 300 टन सीमेंट की पहली खेप रवाना

(जीएनएस)।

असम के नदी-आधारित व्यापार और सामग्री के सतत परिवहन को फिर से शुरू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, राष्ट्रीय जलमार्ग-57 (कोपिली नदी) आज चंद्रपुर, कामरूप में गोवर्धन पुल से दक्षिण समारा में हाटसिंगिमारी तक पहली बार मालवाहक परीक्षण के साथ चालू हो गया। यह परिचालन एक दशक से भी अधिक समय के बाद असम में अंतर-राज्यीय जलमार्ग माल परिवहन के शुरू होने का प्रतीक है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री, श्री सबानंद सोनोवाल ने इस विकास को असम और पूर्वोत्तर में अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन के लिए एक ' महत्वपूर्ण क्षण' बताया।

स्व-लोडिंग क्षमता से लैस मालवाहक पोत एमवी वीवी गिरि ने मेसर्स स्टार सीमेंट से 300 टन सीमेंट को कोपिली नदी (एनडब्ल्यू 57) और ब्रह्मपुत्र नदी (एनडब्ल्यू 2) पर 300 किलोमीटर के मार्ग पर लगभग 12 से 14 घंटे की यात्रा अवधि में पहुँचाया। श्री सोनोवाल ने पुष्टि करते हुए बताया कि इस विकास के साथ, असम में 1168 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय जलमार्ग शुरू हो गए हैं।

श्री सोनोवाल ने असम के लॉजिस्टिक्स परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में इस विकास की सराहना करते हुए कहा, ' यह असम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कोपिली नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग-57 के संचालन के साथ, हम न केवल राज्य के भीतर

व्यापार के एक मार्ग को फिर से शुरू रहे हैं, बल्कि एक अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं जो किफायती, कुशल और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ है।

बहुत लंबे समय तक, नदी परिवहन का समृद्ध अंतर्जाल स्वतंत्रता के बाद उपेक्षित रहा। आज, असम के चार राष्ट्रीय जलमार्गों - ब्रह्मपुत्र (राष्ट्रीय जलमार्ग 2), बराक (राष्ट्रीय जलमार्ग 16), धनसिरी (राष्ट्रीय जलमार्ग 31) और कोपिली (राष्ट्रीय जलमार्ग 57) पर माल की आवाजाही फिर से शुरू होने के साथ, हमने 1168 किलोमीटर जलमार्गों को चालू कर दिया है, जो परिवहन का एक उचित, किफायती और प्रभावी वैकल्पिक साधन प्रदान करता है।'

श्री सोनोवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सरकार ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर बनाने के लिए हमारे अंतर्देशीय जलमार्गों के पुनरुद्धार पर जोर दिया है। इस संबंध में असम एक महत्वपूर्ण राज्य है क्योंकि हमारे मंत्रालय की नोडल एजेंसी, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), हमारे नदी मार्गों में मूल्य संवर्धन हेतु अनेक परियोजनाओं पर काम कर रही है। ब्रह्मपुत्र से बराक तक, धनसिरी से अब कोपिली तक, यह सशक्त अंतर्देशीय जलमार्गों के साथ क्षेत्र के विकास को गति देने की एक शुरूआत मात्र है। कोपिली जैसे जलमार्गों का पुनरुद्धार प्रधानमंत्री के एक समृद्ध और आत्मनिर्भर पूर्वोत्तर के दृष्टिकोण में एक सीधा योगदान है।'

केंद्रीय मंत्री ने इस कदम के व्यावहारिक प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा "माल ढुलाई को सड़क से जलमार्गों पर स्थानांतरित करके, हम उत्सर्जन कम करते हैं, सड़कों पर भीड़भाड़ कम करते हैं, और सामग्री परिवहन लागत कम करते हैं। इसके साथ ही अपने प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हैं। आज के प्रायोगिक संचालन ने लगभग 23 ट्रक सीमेंट की जगह ली है - यही अंतर्देशीय जल परिवहन की शक्ति और क्षमता है।"

वर्ष 2014 के बाद से 46 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय जलमार्ग-57 पर यह पहला कार्गो परीक्षण अभियान है, जो असम की नदी प्रणालियों के माध्यम से अंतर-राज्यीय कार्गो के पुनरुद्धार में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। इस मार्ग का संचालन मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और पीएम गति शक्ति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में टिकाऊ, एकीकृत और कुशल परिवहन आधारभूत ढाँचा स्थापित करना है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय आईडब्ल्यूएआई पूर्वोत्तर की नदियों की नौवहन क्षमता को खोलने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है - जिसमें ब्रह्मपुत्र (एनडब्ल्यू-2), बराक (एनडब्ल्यू-16), धनसिरी (एनडब्ल्यू-31)।

'मैं तो दंग रह गई' प्रज्वल रेवन्ना को मिली सजा तो प्रियंका को याद आया लंदन टूर का किस्सा

कर्नाटक से एक दिल दहला देने वाले सेक्स स्कैंडल केस में आखिरकार कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शनिवार (2 अगस्त, 2025) को रेप

केस में पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार, 1 अगस्त को 47 वर्षीय घरेलू सहायिका का बलात्कार करने का दोषी पाया गया था और आज अदालत ने रेवन्ना पर ₹5 लाख का जुमार्ना भी लगाया है, जो उन्हें पीड़िता को देना होगा।।

कैट गुवाहाटी को 40 साल बाद मिला अपना परिसरः डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में तेजी से हो रहे बदलाव का प्रतीक बताया

(जीएनएस)।

आज गुवाहाटी में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के नए न्यायालय-सह-कार्यालय परिसर का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस विकास को पिछले दशक में पूर्वोत्तर में हुए उल्लेखनीय बदलाव का प्रतिबिंब बताया।

देश की सबसे पुरानी पीठों में से एक, कैट की गुवाहाटी पीठ को अपनी स्थापना के लगभग 40 वर्ष बाद अब अपना समर्पित बुनियादी ढांचा मिल गया है।

असम के कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास, कैट के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आर.के. मोरे, अन्य न्यायिक गणमान्य व्यक्तियों और कानूनी समुदाय के सदस्यों सहित एक सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि 2014 के बाद से मोदी सरकार के फोकस की वजह से पूरे क्षेत्र में ठोस बदलाव आया है।

कैट के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यद्यपि इस ट्रिब्यूनल की स्थापना 1985 में सरकारी कर्मचारियों के लिए सुलभ और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, फिर भी इसे दशकों तक लंबित मामलों और संचालन संबंधी बाधाओं से जूझना पड़ा। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यभार संभालने और पीठ को अपना भवन परिसर मिलने से पहले, गुवाहाटी पीठ को किराए के परिसर से काम करना पड़ता था।"

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बदलाव को दर्शाने वाले आंकड़े प्रस्तुत किए: 1985 से कैट द्वारा निपटाए गए 8.88 लाख मामलों में से 2.54 लाख से ज्यादा मामले पिछले दस वर्षों में ही निपटाए गए—जो कुल निपटान का लगभग एक-तिहाई है। नवनिर्मित गुवाहाटी परिसर में भूकंपरोधी निर्माण, सीसीटीवी निगरानी और दिव्यांगों के लिए सुविधाओं जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

पटना में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने किसान भाइयों-बहनों को दिलाया स्वदेशी चीजों के उपभोग का संकल्प

(जीएनएस)।

पटना (बिहार) में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान भाई-बहनों को स्वदेशी चीजों के उपभोग का संकल्प दिलाया, वहीं बहनों ने भी संकल्प लिया कि हम भाइयों की कलाई पर अपने देश में, अपने आसपास बनी राखी ही बाँधेंगे। यहां शिवराज सिंह ने कहा कि आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, तीसरी हम बनने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अश्वमेघ का घोड़ा है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटना में किसान संवाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसान भाइयों-बहनों को संकल्प दिलाया कि हम अपने घर में जो चीजें लगती हैं, उन लगने वाली चीजों में वही चीज खरीदेंगे, जो हमारे यहाँ बनती हैं, हमारे आसपास बनती हैं, हमारे लोग बनाते हैं या जो हमारे देश में बनती हैं। सभी ने संकल्प लिया कि बाहर के देशों से बनी वस्तुएं नहीं खरीदेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि अपने किसान बना रहे हैं, वही खरीदो अपने कपड़े खरीदो, अपनी ही चीज खरीदो, अपने ही मखाने खरीदो, अपने ही खिलौने खरीदो, 144 करोड़ निवासियों का भारत है। दुनिया के देशों की जरूरत क्यों, हम उनके सामने हाथ जोड़ें हमारा उपभोक्ता बाजार इतना बढ़ाएं कि हम अगर केवल अपने देश का खरीदेंगे तो अपने देश को आगे बढ़ाकर ले जाएंगे। कोई भूखा नहीं सोयेगा, हर एक का काम धंधा

चलेगा।

शिवराज सिंह ने कहा कि आज मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि पटना में किसान भाइयों-बहनों ने यह एक बड़ा संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'स्वदेशी वस्तु ही खरीदें', यह आह्वान किया है और इसी तारतम्य में आज यहाँ किसानों ने संकल्प लिया है कि हम देश में बनी वस्तुओं का ही उपयोग करेंगे। शिवराज सिंह ने बहनों द्वारा यहाँ संकल्प लेने पर भी खुशी जाहिर की और सभी बहनों को रक्षाबंधन की बधाई और शुभकामनाएं दी।

शिवराज सिंह ने कहा कि हम सभी 144 करोड़ लोगों का भारत, अगर अपने देश में ही बने सामान का उपयोग करने लगें, तो मैं यह मानता हूँ कि अर्थव्यवस्था को भी बहुत गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज मैं आपके सामने सबसे पहले प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दूंगा,भारत सरकार को धन्यवाद दूंगा, बहुत कोशिश हुई कि कृषि उत्पाद के द्वार अमेरिका जैसे देशों के लिए भारत में खुल जाएं।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए नई सौगात, माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने किया उद्घाटन

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए कई नई सुविधाओं का उद्घाटन माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने किया। इनमें निःशुल्क बैटरी चालित कार्ट सेवा और महिला प्रतीक्षालय एवं एसी प्रतीक्षालय में स्थित शिशु देखभाल कक्ष का सौंदर्यीकरण शामिल है।

निःशुल्क 'सारथी' सेवा का शुभारंभ

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर 'सारथी' नामक एक नई निःशुल्क गतिशीलता सहायता सेवा शुरू की गई है। इस सेवा के तहत, बैटरी चालित कार्ट वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों, गर्भवती महिलाएं एवं बीमार यात्रियों को 24/7 निःशुल्क सहायता प्रदान करेगी। यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) पहल फार्मसन और रेलवे के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसे सानिध्य फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित किया गया है। प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उपलब्ध यह सेवा फार्मसन बेसिक ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड की सीएसआर शाखा, के. के. विठानी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित कि जा रही है।

महिला प्रतीक्षालय एवं एसी प्रतीक्षालय में स्थित शिशु देखभाल कक्ष का सौंदर्यीकरण

इसके अतिरिक्त, माननीय सांसद ने महिला प्रतीक्षालय एवं एसी वेटिंग रूम में स्थित शिशु देखभाल कक्ष के सौंदर्यीकरण का भी उद्घाटन किया। यह पहल चिल्ड्रन हॉस्पिटल - वडोदरा द्वारा उरफ के तहत की गई है, जिसमें बेबी केयर टेबल, सजावट और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गई हैं। इस पहल का उद्देश्य महिला यात्रियों, विशेषकर माताओं को अपने शिशुओं की देखभाल के लिए एक स्वच्छ और सुविधाजनक स्थान प्रदान करना है।

इस अवसर पर वडोदरा रेल मंडल के डीआरएम श्री राजू भडके, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ,वरिष्ठ मण्डल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री प्रदीप मीना , वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय) श्री सुमित ठाकुर सहित अन्य रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रेलवे ने स्वच्छता अभियान का किया आगाज

- 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देश के सभी प्रमुख स्टेशनों पर चलेगा अभियान।
- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ।
- इस अवसर पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से यात्रियों में जागरूकता पैदा करने के लिए स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा।

नई दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस के उल्लास को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए रेलवे ने 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देशभर के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इस अभियान की शुरूआत करते हुए रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रमदान में भी भाग लिया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया।

सतीश कुमार ने स्टेशन पर प्रयोग में लाई जा रहीं सफाई मशीनों का भी निरीक्षण किया और यात्रियों से संवाद कर स्वच्छता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से यात्रियों में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में शुरू की गई स्वच्छ भारत की मुहिम में रेलवे बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में फेज-1 में 15 दिनों का ये कार्यक्रम चलेगा। इसके बाद 16 अगस्त से अक्टूबर तक फेज-2 में स्वच्छता का ये कार्यक्रम चलेगा। ये अक्टूबर तक ही सीमित नहीं रहेगा। हम अपनी दिनचर्या में, अपने कार्य में साफ-सफाई को ढाल रहे हैं, जिससे कि यात्रियों को एक साफ स्टेशन दे सकें। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहले और अब में बहुत फर्क है। यही नहीं, पहले जो जगह डंपिंग ग्राउंड थी, आज वहां पर गार्डन है। लोगों को अच्छा वातावरण मिला है। मैंने कई जगह आज निरीक्षण किया और सफाई का जायजा लिया। रेलवे के सभी कर्मचारी और अधिकारी देशभर में 7,000 रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई की निगरानी कर यात्रियों को अच्छी व्यवस्था देने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि सफाई केवल स्टेशनों तक सीमित नहीं है। ट्रेनों में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की जा रही है। स्टेशनों पर हमने क्लिन ट्रेन स्टेशन की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त रेल मदद पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। इस अभियान के तहत हम यात्रियों में जागरूकता लाना चाहते हैं। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेश रमण त्रिपाठी सहित रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वहीं, इस अवसर पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अभियान की शुरूआत नवीन गुलाटी (सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर) ने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर, ब्रज मोहन अग्रवाल (सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) ने हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर, हितेन्द्र मल्होत्रा (सदस्य ऑपरेशन और बिजनेस डेवलपमेंट) ने दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर, उषा वेंणुगोपाल (सदस्य वित्त) ने दिल्ली जंक्शन स्टेशन पर, आर. राजगोपाल (महानिदेशक मानव संसाधन) ने आनंद विहार टर्मिनल पर, हरि शंकर वर्मा (महानिदेशक सुरक्षा) ने फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर तथा डॉ. जगदीश चंद्रा (महानिदेशक रेलवे स्वास्थ्य सेवा) ने तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन पर की।

भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट, रीवा-पुणे (हडपसर) और जबलपुर-रायपुर के बीच नई तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ

मुंबई, भारतीय रेल द्वारा कई राज्यों में रेल संपर्क को बढ़ावा देने और लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए एक बड़े कदम के तौर पर ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर)-रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर-जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस के रूप में तीन नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार है। इन नई ट्रेनों की उद्घाटक सेवाओं को रविवार, 3 अगस्त 2025 को गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल; मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और माननीय केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवाओं को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी, जबकि रीवा-पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवाओं को भावनगर टर्मिनस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

इन नई तीन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

- ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनसझ अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस 12 अगस्त, 2025 से प्रत्येक मंगलवार को 22:30 बजे अयोध्या कैंट से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन (गुरुवार) को 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सीहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं. और बाराबंकी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 19201 की बुकिंग 03.08.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

नई ट्रेन 19201/19202 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच तेज और निर्बाध संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भावनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की माँगों को पूरा करते हुए यह नई ट्रेन सेवा तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ व्यापार और रोजगार के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी बहुत सुविधाजनक होगी। यह न केवल यात्रियों के बहुमूल्य यात्रा समय की बचत करेगी, बल्कि मार्ग पर व्यापार और पर्यटन को भी मजबूती से बढ़ावा मिलेगी। इसके अलावा, यह रेल संपर्क भावनगर क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगा।

- ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर)झ रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20151 पुणे (हडपसर)-रीवा एक्सप्रेस 7 अगस्त, 2025 से प्रत्येक गुरुवार को 15:15 बजे पुणे (हडपसर) से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:30 बजे रीवा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 20152 रीवा-पुणे (हडपसर) साप्ताहिक एक्सप्रेस 6 अगस्त, 2025 से प्रत्येक बुधवार को रीवा से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:45 बजे पुणे (हडपसर) पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

- ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुरझजबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेसः

ट्रेन संख्या 11701 रायपुर-जबलपुर एक्सप्रेस 04 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन रायपुर से 14:45 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22:45 बजे जबलपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 11702 जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस 05 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन जबलपुर से 06:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13:50 बजे रायपुर पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर और मदन महल स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी चेयर कार, चेयर कार और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शहरी विकास वर्ष-2025 में राज्य के शहर अपने विशिष्ट विकास विजन के साथ रोडमैप तैयार कर उसके क्रियान्वयन की समयबद्ध योजना बनाएं

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का राज्य के महानगरों और नगरों से प्रेरक आह्वान

मुख्यमंत्री ने राजधानी गांधीनगर के 61वें स्थापना दिवस पर विकास विजन दस्तावेज लॉन्च किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- शहरी विकास में गुजरात के शहर देश को दिशा दिखाएं, ऐसा विश्व स्तरीय शहरी विकास करने की मंशा है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शहरी विकास की परिभाषा बदलकर समग्र शहरी विकास का एक नवीन दृष्टिकोण दिया है
- 2005 के शहरी विकास वर्ष की दो दशकों की उपलब्धियों के साथ, टेक्नोलॉजी युक्त नागरिक सेवा-सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरी विकास वर्ष-2025 मना रहे हैं

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर के 'स्वच्छता के योद्धा' के रूप में दिन-रात काम करने वाले स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया

महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल का गांधीनगर को 'उत्तम से सर्वोत्तम' तक ले जाने का अनुरोध

गांधीनगर ने 60 वर्षों में ग्रीन सिटी से ग्लोबल सिटी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है : विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल

गांधीनगर, 02 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष 2025 में राज्य के महानगरों और नगरों से अपने विशिष्ट विकास विजन के साथ एक रोडमैप तैयार कर उसे लागू करने के लिए समयबद्ध योजना बनाने का प्रेरक आह्वान किया है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमारी ऐसी मंशा है कि इस प्रकार के विकास विजन की श्रेष्ठता की प्रतिस्पधाएं हों और गुजरात के शहर शहरी विकास क्षेत्र में देश को दिशा दिखाने वाले शहर बनें।

मुख्यमंत्री ने यह बात शनिवार को राजधानी गांधीनगर के 61वें स्थापना दिवस समारोह में गांधीनगर महानगर पालिका के 'विकास विजन' दस्तावेज के लॉन्चिंग अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कही।

मुख्यमंत्री ने उन स्वच्छता दूतों का सम्मान भी किया, जो हाल ही में हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर गांधीनगर को मिले सम्मान की नींव के पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि गांधीनगर ने ग्रीन सिटी के साथ अब क्लीन सिटी का खिताब भी हासिल कर लिया है, जिसे बनाए रखने की हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष का आयोजन किया और शहरी विकास की पूरी परिभाषा बदलते हुए समग्र शहरी विकास का एक नवीन दृष्टिकोण दिया है।

इतना ही नहीं, उन्होंने नल, सीवरेज और सड़कों की सुविधाओं से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी के उपयोग से नागरिक-उन्मुख सेवाओं के विस्तार की दिशा भी दी है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास वर्ष-2005 के इस आयोजन की सफलता से राज्य के शहर प्राणवान और ऊजार्वान बने हैं और शहरी विकास का एक नया मानचित्र तैयार हुआ है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि शहरी विकास की दो दशकों की उपलब्धियों और सफलता के बाद अब हम विश्व स्तरीय शहरी विकास के संकल्प के साथ शहरी विकास वर्ष-2025 मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस उद्देश्य से हमने राज्य के शहरी विकास बजट में इस वर्ष 40 फीसदी की वृद्धि कर 30 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत@2047' का जो संकल्प किया है, उसे राज्य के शहर स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरी विकास के माध्यम से साकार करेंगे।

उन्होंने देश के विकास के इस अमृत काल में 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाने और अर्बन फॉरेस्ट बढ़ाने के साथ-साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के जरिए हरित आवरण को बढ़ाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास की वकालत करते हुए सोलर रूफटॉप और अधिक से अधिक संख्या में ई-मोबिलिटी अपनाने का भी अनुरोध किया।

गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गांधीनगर के सांसद और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में गांधीनगर का अविरत विकास हो रहा है।

गांधीनगर की विकास यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप वर्ष 2010 में गांधीनगर महानगर पालिका के गठन के वक्त मनपा का बजट केवल 7.47 करोड़ रुपए था, जो आज वर्ष 2025-26 में लगभग 1718 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। ऐसे में, महापौर ने सभी से साथ मिलकर गांधीनगर को 'उत्तम से सर्वोत्तम' की दिशा में ले जाने का आह्वान भी किया।

गांधीनगर उत्तर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल ने शहर के 61वें स्थापना दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के चलते नए शहर और राजधानी के रूप में विकसित किए गए गांधीनगर ने आज 60 सालों के बाद अपना एक अलग इतिहास रचा है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से गांधीनगर ने आज ग्रीन सिटी से ग्लोबल सिटी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर के विकास में योगदान देने वाले सभी नगरजन आज 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई के पात्र हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने महानुभावों की उपस्थिति में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत टाउन हॉल में वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर गांधीनगर दक्षिण के विधायक श्री अल्पेश ठाकोर, उप महापौर श्री नटवरजी ठाकोर, मनपा में स्थायी समिति के चेयरमैन श्री गौरांग व्यास और शासक पक्ष के नेता श्री अनिलभाई, सचेतक श्रीमती सेजलबेन परमार, मनपा आयुक्त श्री जितेन्द्रसिंह वाघेला, जिला कलेक्टर श्री मेहुल दवे, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री आशीषभाई दवे, शहर प्रभारी श्रीमती नौकाबेन प्रजापति, पूर्व महापौर और उप महापौर तथा पार्षदों एवं पूर्व पार्षदों के अलावा महानगर पालिका के उच्च अधिकारी, शहर के अग्रणी, ज्योति महिला मंडल और गांधीनगर शहर वसाहत जैसी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नगरजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल और श्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्राम में 'मातृ वन' थीम-आधारित पहल के शुभारंभ की अध्यक्षता की, यह अरावली पहाड़ी क्षेत्र में 750 एकड़ में फैला एक शहरी वन आवरण है

'मातृ वन' हरित आवरण पूरे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए हृदय और फेफड़े के रूप में कार्य करेगा: श्री भूपेंद्र यादव

श्री मनोहर लाल ने नागरिकों को वन मित्र बनने के लिए वनों की कटाई रोकने और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल के साथ मिलकर भारत सरकार के 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुग्राम में 'मातृ वन' पहल के औपचारिक शुभारंभ की अध्यक्षता की। यह पहल पारिस्थितिकी संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी की प्रतीक एक हरित विरासत है। यह कार्यक्रम आज गुरुग्राम में हरियाणा वन विभाग द्वारा वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस अवसर पर हरियाणा उद्योग एवं वन मंत्री श्री राव नरबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ राज्य सरकार के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।"

'मातृ वन' पहल - एक थीम आधारित शहरी वन आवरण है जो प्रकृति से प्रेरित हरित प्रयासों के माध्यम से पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसे गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के किनारे अरावली पर्वतीय क्षेत्र में 750 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसकी परिकल्पना एक अद्वितीय पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक स्थल के रूप में की गई है जो जैव विविधता, जन कल्याण और शहरी स्थिरता में योगदान देगा। यह लक्ष्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) भागीदारों, स्थानीय निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए), गैर-सरकारी संगठनों, बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी), स्कूली बच्चों और सरकारी संगठनों के बहु-हितधारक सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।"

श्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कहा कि कैसे कार्बन उत्सर्जन मानव जाति के लिए सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करने के अलावा उन्होंने नागरिकों को वनों की कटाई रोकने और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे वन मित्र बन सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि देश के ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी पहले ही 50 प्रतिशत को पार कर चुकी है।

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना और खुर्दा रोड के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09059/09060 उधना-खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को मौजूदा संरचना, समय, ठहराव और मार्ग पर विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09059 उधना-खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल को 24 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09060 खुर्दा रोड-उधना साप्ताहिक स्पेशल को 26 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में व्यारा, नंदुरबार, धरणगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, तुमसर रोड, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, महासमुन्द, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटिलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम टाउन, बोब्बिली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर और बालुगांव स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 09059 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

मतदाता सूची मामले में विरोध करने वालों ने भी अपने बीएलओ की संख्या बढ़ाई

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पामि बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्प असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं। वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही परटियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रीया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रव्रिया समापन के वत्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुत्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रीया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए। भाजपा के 53338 बीएलए प्रव्रिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रीया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट परटियों ने एसआईआर प्रव्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन परटियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के वुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रव्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का वुवृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रव्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फजा और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षो से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षो में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और परूणिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षो से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। वेंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रीया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में वुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गांधीनगर में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' समारोह

गुजरात के 52.16 लाख से अधिक किसान परिवारों को 1,118 करोड़ रुपए की सहायता किसान सम्मान निधि के रूप में मिली

राज्य के 3 लाख से अधिक किसानों ने प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन देखा

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की न्यायी एवं पारदर्शी पद्धति के परिणामस्वरूप किसानों का सरकार के प्रति विश्वास अधिक दृढ़ बना है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पीएम किसान योजना विश्व की सबसे बड़ी डीबीटी योजना बनी
- किसान हित में प्रधानमंत्री ने 'पीएम धनधान्य कृषि योजना' तथा 'प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना' को मंजूरी दी है
- पिछले एक दशक में देश के कृषि बजट में पाँच गुना वृद्धि हुई, 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण हुआ
- प्रधानमंत्री की प्रेरणा से किसानों को बीज से बाजार तक की व्यापक सुविधा मिली है

गांधीनगर, 02अगस्त 2025 :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के काशी से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की, जिसमें गुजरात के 52.16 लाख से अधिक किसान परिवारों को 1,118 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता का 20वीं किस्त के रूप में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गांधीनगर में इस संदर्भ में राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों सहित राज्यभर के 3 लाख से अधिक किसानों ने विभिन्न स्थानों से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया को बताया है कि जन सेवा की भावना तथा सच्ची नीयत से किसान हित एवं जन हित के कार्य कितनी तेजी से होते हैं। प्रधानमंत्री ने गरीब, अन्नदाता, युवा एवं नारी शक्ति (ग्यान) तथा नारी शक्ति को विकसित भारत का आधार स्तंभ बताकर अनेक कल्याणकारी योजनाएँ बनाई हैं।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को प्राथमिकता देकर उनके सहायक बनने के शुभ आशय के साथ पीएम किसान सम्मान निधि योजना लागू की थी, जो आज विश्व की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना बनी है।

उन्होंने कहा कि इस योजना की न्यायी एवं पारदर्शी पद्धति के परिणामस्वरूप देश के छोटे व सीमांत

किसानों तक भी इस योजना का 100 प्रतिशत लाभ पहुँच रहा है। इसी कारण आज किसानों का सरकार के प्रति विश्वास अधिक दृढ़ बना है।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत देश के करोड़ों किसान परिवारों के बैंक खातों में 19 किस्तों में कुल 3.69 लाख करोड़ रुपए जमा हुए हैं। आज प्रधानमंत्री के करकमलों से 20वीं किस्त के रूप में देश के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता का वितरण किया गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक में किसानों के लिए बीज से बाजार तक व्यापक सुलभता की गई है। साथ ही; कृषि विभाग के बजट में भी पाँच गुना वृद्धि हुई है। गत 11 वर्षों में 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण किए जाने के अलावा आधुनिक कृषि एवं कृषि यांत्रिकीकरण को गति मिली है।

किसानों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कम उत्पादकता वाले 100 जिलों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने हाल ही में नई 'पीएम धनधान्य कृषि योजना' को मंजूरी दी है।

विकसित गुजरात के लिए विकसित कृषि के निर्माण का किसानों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्राकृतिक कृषि तथा मिलेट्स जैसी परंपरागत पद्धतियों को महत्व दिया है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक सहायता योजनाओं के अलावा गुजरात के हालोल में गुजरात नैचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी कार्यरत की गई है।

इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने राजकोट से किसानों को प्रेरक संबोधन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों में कृषि हितोन्मुखी योजनाओं के विभिन्न किसान लाभार्थियों को सहायता का वितरण किया गया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत अब तक जारी की गई 19 किस्तों के रूप में गुजरात के लाभार्थी किसानों के खातों में समग्रतः कुल 19,993 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि का भुगतान किया गया है।

कृषि विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा ने सभी का स्वागत कर समग्र कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा देते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राज्य के 7,000 से अधिक स्थानों से 3 लाख से अधिक किसान देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के किसानों की आय बढ़ाकर उनके सहायक बनने के शुभ आशय से प्रधानमंत्री ने 100 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता वाली पीएम किसान सम्मान निधि योजना वर्ष 2019 से लागू की थी। इस योजना के अंतर्गत किसान परिवारों को प्रतिवर्ष प्रति किसान परिवार 6,000 रुपए की सहायता की तीन समान किस्तें जारी की जाती हैं।

उन्होंने जोड़ा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने बुवाई से लेकर बिक्री तक के सभी चरणों में किसान की सहायक बनने के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं, जिनका अधिकतम लाभ किसानों तक पहुँचाने के लिए बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए राज्य के 11 लाख से अधिक किसानों ने आई-किसान पोर्टल पर आवेदन पंजीकृत कराए हैं।

इस समारोह में गांधीनगर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिल्पाबेन पटेल, गांधीनगर उत्तर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, पशुपालन विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार, गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री विजय खराडी, गांधीनगर जिला कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी, कृषि निदेशक, कृषि विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान मित्र उपस्थित रहे।

टेक्नोवेदा 2.0: स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल में प्राचीन ज्ञान और भविष्य की तकनीक का भव्य संगम

संजीवनी-से सत्य छिपे हैं पुराणों की कथाओं में,
विज्ञान के अमृत-स्रोत बहते हैं वेदों की ऋचाओं में।

लखनऊ, स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल कल्पना, जिज्ञासा और प्रेरणा से जीवंत हो उठा जब यहाँ वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी ह्यटेक्नोवेदा 2.0ह्ल का आयोजन हुआ। स्वयं नाम ही — तकनीक और वैदिक ज्ञान का अद्भुत संगम — हमारी कक्षा 12 की छात्रा आरना कुलश्रेष्ठ द्वारा दिया गया, जो विद्यार्थियों की गहन सोच को दशार्ता है।

कार्यक्रम की शुरूआत जोश के साथ हुई। आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. आलोक कुमार कृष्ण जी, डॉ. आर. के. मित्रा जी, डॉ. धर्मेंद्र सिंह जी और कर्नल बाजपेयी जी की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के सचिव श्री खेमराज जी, प्रधानाचार्या श्रीमती सुषमा सोनी जी एवं उपप्रधानाचार्या श्रीमती सोनिया प्रभाकर जी ने अतिथियों का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन और भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति के साथ इस भव्य आयोजन का शुभारंभ हुआ।

नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों (प्री-प्राइमरी से कक्षा 2) ने जैव विविधता, सौरमंडल, वनस्पति जीवन और अन्य विषयों पर अपने विचारों को मॉडलों के माध्यम से साकार किया। वहीं कक्षा 3झ5 के छात्रों ने रोबोटिक्स,

राष्ट्रीय प्रतीक, रात्रिचर जीव और जलवायु प्रभाव पर अपनी कल्पनाशीलता से सबका मन मोह लिया। कशिका श्रीवास्तव द्वारा बनाया गया रोबोट और साँची स्तूप विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 6झ12) के विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), जलीय कृषि, सौर इन्वर्टर, पेरिस्कोप, वर्षाजल संचयन और बायोगैस संयंत्र जैसे नवाचार एवं सतत विकास पर आधारित प्रोजेक्ट्स से दर्शकों को प्रभावित किया। ये केवल मॉडल नहीं थे, बल्कि बेहतर कल की दृष्टि को साकार करते सपने थे।

दो विशेष परियोजनाएँ सबका दिल जीत गईं:

- कक्षा 9 के छात्रों — प्रांजल पांडे, देवांश दीक्षित, हुसैन खान , आशीष नयन मोहन और रूद्रांश गुप्ता द्वारा निर्मित सौर ऊर्जा संचालित बाइक।
- कक्षा 10 के छात्र केशव माहेश्वरी की माइक्रोबियल फ्यूल परियोजना, जिसे ₹10,000 की जिला स्तरीय छात्रवृत्ति भी प्राप्त हुई और जिसका उद्देश्य खेती में क्रांति लाना और बिजली के उत्पादन में वृद्धि है।
- काईलार्क के लिए यह गर्व का क्षण रहा जब मुख्य अतिथि ने इन दोनों परियोजनाओं को व्यावसायिक उपयोग हेतु समर्थन और वित्तीय सहयोग प्रदान करने की घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों की मेहनत और शोध की सार्थकता सिद्ध हुई।

कार्यक्रम का समापन स्मृति-चिह्न वितरण, जलपान और अभिभावकों व अतिथियों की गूंजती तालियों के बीच हुआ। सभी ने विद्यालय द्वारा परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के अद्भुत समन्वय के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की प्रशंसा की।

स्काईलार्क में टेक्नोवेदा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक दर्शन है। यह हमारी उस यात्रा को दशार्ता है, जो वेदों की शाश्वत ज्ञानधारा से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की असीम संभावनाओं तक फैली है, और विद्यार्थियों को विचारक, समस्या-समाधानकर्ता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन करती है।

मणि शोभती जैसे मुकुट पर, नाग के सिर,
शोभता विज्ञान भी है वेद के हर ग्रंथ में स्थिर।

टेक्नोवेदा 2.0 न केवल एक प्रदर्शनी रही, बल्कि विज्ञान, रचनात्मकता और अनुसंधान का जीवंत उत्सव साबित हुई, जिसने स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल के शैक्षणिक वातावरण में नई ऊर्जा का संचार किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह को संबोधित किया

अंगदान मानवता के सबसे नेक कार्यों में से एक है। ऐसी दुनिया में जहाँ चिकित्सा विज्ञान ने असाधारण प्रगति की है, अंगदान किसी और के लिए किए जा सकने वाले परम योगदानों में से एकः श्री नड्डा

'आधार आधारित नोटो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट की 2023 में शुरूआत के बाद, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया, जो जनभागीदारी का एक ऐतिहासिक क्षण'

'भारत ने 2024 में 18,900 से ज्यादा अंग प्रत्यारोपण करने की विशिष्ट उपलब्धि हासिल की, जो किसी एक वर्ष में अब तक का अधिकतम रिकॉर्ड। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों से एक महत्वपूर्ण छलांग है'

'भारत अपनी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा क्षमताओं और अपने चिकित्सा पेशेवरों के अटूट समर्पण को दशार्ते हुए हाथ प्रत्यारोपण में दुनिया में अग्रणी '

'अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर, केवल अमेरिका और चीन से पीछे'

इस अवसर पर मृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्य, प्राप्तकर्ता और अन्य हितधारक सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान, अंगदान जागरूकता, आयुर्वेद और योग के माध्यम से अंग स्वास्थ्य, और राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों पर नोटो की वार्षिक रिपोर्ट, ई-न्यूजलेटर और तीन जागरूकता पुस्तिकाएँ जारी

(जीएनएस)।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार अंगदान और प्रत्यारोपण को निरंतर सुव्यवस्थित कर रही है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शहरों के बीच अंगों की समय पर और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सफल

अंग प्रत्यारोपण सुनिश्चित करने के लिए हम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।" श्री नड्डा ने सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तत्वावधान में यहाँ डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) द्वारा आयोजित 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर यह बात कही। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की कार्यवाहक सचिव श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा भी उपस्थित थीं।

भारतीय अंगदान दिवस का 15वाँ संस्करण वर्ष भर चलने वाले राष्ट्रीय अभियान "अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान" के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पूरे देश में अंग और ऊतक दान को बढ़ावा देना है। यह अभियान जनभागीदारी बढ़ाने, मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने और नागरिकों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करने पर जोर देता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और निस्वार्थ भाव से अंगदान करने वाले लोगों और उनके परिवारों को सम्मानित करना था जिन्होंने जीवनदान दिया है।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि "आज का दिन करुणा, आशा और क्षति पर जीवन की विजय की भावना का उत्सव है। अंगदान मानवता के सबसे महान कार्यों में से एक है। ऐसी दुनिया में जहाँ चिकित्सा विज्ञान ने असाधारण प्रगति की है, अंगदान किसी और के लिए किया जा सकने वाला सबसे बड़ा योगदान है।"

अंगदान के महत्व पर जोर देते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि "अंगों के काम करना बंद करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "यह अंतर इच्छाशक्ति की कमी के कारण नहीं, बल्कि अक्सर जागरूकता की कमी और मिथकों व भ्रांतियों में निहित झिझक के कारण होता है। इसलिए आज का दिन एक महत्वपूर्ण दिन है जो हमें जागरूकता फैलाने, बातचीत को प्रोत्साहित करने और दाताओं व उनके परिवारों का सम्मान करने का एक मंच प्रदान करता है।"

अंगदान की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि " आधार आधारित नोटो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट के 2023 में शुभारंभ के बाद, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया, जो जनभागीदारी का एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रतिज्ञा पंजीकरण में यह वृद्धि इस साझा लक्ष्य के प्रति नागरिकों में बढ़ती जागरूकता और समर्पण को दशार्ती है।" उन्होंने कहा कि "हमारे प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण, भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जो किसी एक वर्ष में दर्ज अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों की तुलना में यह एक महत्वपूर्ण छलांग है। अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे।"

श्री नड्डा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि "भारत अपनी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा क्षमताओं और अपने चिकित्सा पेशेवरों के अटूट समर्पण को दशार्ते हुए हाथ प्रत्यारोपण में दुनिया में अग्रणी है।"

श्री नड्डा ने अंगों की आवश्यकता और उपलब्ध दाताओं के बीच अंतर के मुद्दे पर बात की और अधिक जागरूकता, अधिक सार्वजनिक संवाद, परिवारों की समय पर सहमति और रोगग्रस्त अंगदान का समर्थन करने के लिए एक मजबूत प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "प्रत्येक अंगदाता एक मूक नायक है, जिसका निस्वार्थ कार्य दुःख को आशा में और क्षति को जीवन में बदल देता है। एक व्यक्ति हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे, अग्न्याशय और आंतें दान करके 8 लोगों की जान बचा सकता है।

केंद्रीय मत्स्यपालन मंत्री ने पश्चिम बंगाल से एनएफडीबी पंजीकरण को तेज करने, प्रसंस्करण एवं अंतदेर्शीय मछली निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने आज पश्चिम बंगाल में मत्स्यपालन योजनाओं के कार्यान्वयन में अंतर को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय मत्स्यपालन विकास बोर्ड (एनएफडीबी) में मत्स्य किसानों के कम पंजीकरण की समस्या का समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कोलकाता में आयोजित मत्स्यपालन विभाग की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य के 32 लाख मत्स्य किसानों में से केवल एक भाग ही वर्तमान में एनएफडीबी में पंजीकृत है, जिससे उनको पीएम मत्स्य किसान समृद्धि योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) जैसी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त होने वाले केंद्रीय लाभों तक पहुंचने में बाधा होती है।

मंत्री ने राज्य में अंतदेर्शीय मत्स्यपालन की अप्रयुक्त क्षमता पर बल दिया और पारंपरिक जल निकायों (पुकुर) या तालाब का बेहतर उपयोग, मछुआरों के लिए सहकारी संरचनाओं का विकास और एक मजबूत प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में स्थानीय रोजगार एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विकसित शुष्क मछली क्लस्टर की स्थापना की योजनाओं का भी संकेत दिया। नई तकनीकों पर बल देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सतत विकास के लिए नई तकनीकें, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और कृत्रिम रीफ जैसी पहलों का पुनरुद्धार बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है, जहां मछली उत्पादन में 104% की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दशक में अंतदेर्शीय मछली उत्पादन में 142% की वृद्धि हुई है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि मत्स्य निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी में सुधार लाने की आवश्यकता है।

बैठक में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन और भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी भी उपस्थित हुए। दोनों ने मत्स्यपालन से संबंधित योजनाओं के लिए संस्थागत समर्थन, केंद्र-राज्य समन्वय एवं कुशल वितरण तंत्र के महत्व पर बल दिया।

चारा लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया निशाना, लोगों में दहशत

वन विभाग की अनदेखी पड़ी भारी, गुलदार ने महिला की ली जान

(जीएनएस)।

बिजनौर।

अफजलगढ़ नगर में गुलदार का आतंक एक बार फिर जानलेवा बन गया। शनिवार को मोहल्ला मंझौली में स्थित बरकत बैंक्वेट हॉल के पास अपने पशुओं के लिए चारा लेने गई एक महिला पर गुलदार ने घात लगाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और परिजनों में कोहराम मच गया।

मृतका की पहचान अलका देवी (35 वर्ष) पत्नी सुंदर सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से शेरकोट थाना क्षेत्र के गांव हरेवली की रहने वाली थीं और पिछले 10 वर्षों से अपने

मायके मोहल्ला मंझौली में रह रही थीं। शनिवार को वह घर से चारा लेने निकली थीं, तभी बरकत बैंक्वेट हॉल के पीछे स्थित खेतों में पहले से घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक हमला कर दिया।

गौरतलब है कि अफजलगढ़ नगर में पिछले दो दिनों से गुलदार की सक्रियता देखी जा रही थी। इससे पहले गुलदार द्वारा मोहल्ला किला में एक कुत्ते को उठा ले जाने की घटना भी सामने आई थी, लेकिन बावजूद इसके वन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, न ही पिंजरा लगाया गया और न ही गश्त बढ़ाई गई।

घटना की सूचना मिलने पर सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व थानाध्यक्ष सुमित राठी मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रोष जताया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया होता, तो आज एक मासूम महिला की जान बच सकती थी।

धूमधाम से निकली बाबा जाहरवीर जी की कलश और शोभायात्रा

मथुरा (जीएनएस)। बाबा जाहरवीर की कमेटी रजि. द्वारा आयोजित दो दिवसीय छड़ी मेला कार्यक्रम के दौरान आज प्रातः काल, जगदीश प्रसाद गुप्ता के आवास से हवन यज्ञ के बाद कलश यात्रा प्रारंभ होते हुए छल्ला मंदिर पर संपन्न हुई। जिसमें सैकड़ो की संख्या महिलाओं ने नृत्य करते हुए कलश यात्रा का आनंद लिया। इसके बाद दोपहर 3 बजे छल्ला मंदिर से भव्य शोभायात्र का आयोजन हुआ। शोभायात्रा का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर बाबा जाहरवीर जी की सभी पदाधिकारियों ने आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में दर्जनों झांकी एवं बैंड की मधुर आवाज सभी को अपनी और आकर्षित कर रही थी। शोभायात्रा

में मां काली का अखाड़ा आकर्षण का केंद्र बना और बाबा जाहरवीर जी का डोला जो की भव्य लाइटों की जगमघाट से लोगों को मनमोह रहा था। शोभायात्रा छल्ला मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए अग्र वाटिका पर पहुंच कर संपन्न हुई। जिसका जगह-जगह पर व्यापारियों एवं सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डोला पर विराजमान बाबा जाहरवीर जी के चरण सेवक ओमप्रकाश भगत जी ढोल पर सवार होकर चल रहे थे। शोभायात्रा में मुख्य रूप से संस्थापक / संरक्षक राजाराम गर्ग, संरक्षक श्यामसुंदर वार्ष्णेय, पप्पन अग्रवाल, अध्यक्ष ऋषि गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील वार्ष्णेय, महामंत्री दीपक गोयल एडवोकेट, उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शैंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष अजय सैनी, महासचिव गौरव गुप्ता, सौरभ गुप्ता, सहायक कोषाध्यक्ष अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष सोनपाल गुप्ता सोनू, राहुल पोशाक वाले, निखिल वार्ष्णेय, प्रशांत वार्ष्णेय, डा. पुनीत मोहन वार्ष्णेय, प्रिंस अग्रवाल और जुगल वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे।

जमैन, शाह नजफ और गार वाली करबला के विकास हेतु जिलाधिकारी व अंबर फाउंडेशन चेयरमैन के बीच अहम बैठक

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा भेजे गए पत्रों का भी हुआ उल्लेख

लखनऊ की रूहानी, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। राजधानी स्थित हजरतगंज में उत्तर प्रदेश के जिलाधिकारी एवं हुसैनाबाद ट्रस्ट के चेयरमैन श्री विशाख जी से अंबर फाउंडेशन के चेयरमैन श्री वफा अब्बास ने एक सौहार्दपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण भेंट की।

इस मुलाकात में हुसैनाबाद ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक स्थलों झ

काजमैन दरगाह,

शाह नजफ इमामबाड़ा,

एवं गार वाली करबला झ

की जर्जर अवस्थाओं, सौंदर्यीकरण कार्यों, और मरम्मत से जुड़े मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

अंबर फाउंडेशन के चेयरमैन श्री वफा अब्बास ने इन पवित्र स्थलों की

वर्तमान दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थल केवल धार्मिक महत्व के नहीं, बल्कि लखनऊ की गंगा-जमुनी तहजीब और ऐतिहासिक पहचान के प्रतीक हैं।

जिलाधिकारी महोदय ने आश्वस्त करते हुए कहा किः

> "हुसैनाबाद ट्रस्ट के स्तर से कार्य में कोई बाधा नहीं है, लेकिन पुरातत्व विभाग की अनुमतियों और शर्तों के कारण कई बार कार्यों में अनावश्यक देरी होती है।"

इस दौरान यह भी बताया गया कि स्वयं भारत सरकार के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद माननीय श्री राजनाथ सिंह जी ने इन स्थलों के विकास, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए सरकारी स्तर पर पत्र भेजकर विशेष रुचि दिखाई है, जो प्रशासनिक प्रक्रिया को गति देने वाला कदम है।

इस भेंटवार्ता के बाद दोनों पक्षों ने यह साझा संकल्प दोहराया कि लखनऊ की इन पवित्र धरोहरों को शीघ्र ही उनका उचित सम्मान, स्वरूप और सौंदर्य वापस दिलाया जाएगा।

- यह प्रयास लखनऊ के ऐतिहासिक गौरव को संजोने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।
- अंबर फाउंडेशन ने इस मुहिम को जारी रखते हुए शासन-प्रशासन से समन्वय बनाकर आम जनता की आस्था और विरासत की रक्षा का संकल्प दोहराया है।

यूपी सड़कें सबसे बेहतर : मंत्री लक्ष्मीनारायण

-पीएम किसान निधि पाकर किसान हुए खुश

मथुरा (जीएनएस)। पीएम किसान सम्मान निधि योजना पूरे देश में बिना रूकावट के लगातार चल रही है। पहले जब कोई बाहरी व्यक्ति टूटी सड़कों पर चलता था, तब कहता था कि अब यूपी आ गया है, लेकिन अब विपरीत हो गया है, जब कोई अच्छी सड़कों पर चलता है तो कहता है कि अब हम यूपी में चल रहे हैं। यह विचार शनिवार को प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायन ने व्यक्त किए। वह शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि वेटरनरी विवि के कृषि विज्ञान केन्द्र सभागार में आयोजित पीएम किसान सम्मान निधि की 20-वीं किस्त जारी करने के संबंध में काशी से प्रधानमंत्री का सजीव प्रसारण कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले किसानों को खेतों के लिए बिजली न के बराबर मिलती थी लेकिन आज दिन में लगातार 8 घंटे बिजली मिल रही है। इस बार 9 करोड़ 10 लाख से अधिक

किसानों को 20 हजार 5 सौ करोड़ रुपए की किसान सम्मान निधि भेजी गई है। सालभर में मिलने वाले छह हजार रुपए किसानों के लिए वरदान साबित होते हैं। अब मोदी की गारंटी की तरह किसानों की फसलों की बीमा से गारंटी है। कहा कि बारिश से हुए नुकसान के लिए सर्वे कराया जा रहा है। इसके बाद मुआवजा भी दिलाया जाएगा। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि अगर किसी ने किसान के सम्मान की बात की है तो वह भाजपा सरकार है। कहा कि भाजपा जो कहती है वही करती है। उन्होंने कहा कि शेष बचे किसानों को भी इसका लाभ तत्काल मिलेगा। वहीं केवीके प्रभारी डा. वाईके शर्मा ने किसानों को यूरिया एवं डीएपी की वैकल्पिक व्यवस्था के बारे में भी समझाया। उप कृषि निदेशक बंसत कुमार दुबे ने कहा कि जनपद में 3 लाख 10 हजार किसान हैं, लेकिन आज 2 लाख 45 हजार किसानों के खाते में पैसे गए हैं। प्रधानमंत्री के लाइव प्रोग्राम में किसानों ने कई बार तालियां बजाईं। पीएम ने कहा कि यह आज काशी से किस्त जारी हुई है और काशी से पैसा जाता है वो प्रसाद बन जाता है। यूपी में 2.5 करोड़ किसानों को इसका लाभ मिला है। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना का पराक्रम देखने को मिला है। सरकार लगातार किसानों के हित में कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, विधायक पूरन प्रकाश, अधिष्ठाता मतस्य डा. नित्यानंद पांडेय, निदेशक प्रसार डा. अतुल सक्सैना, केवीके प्रभारी डा. वाईके शर्मा और डीडी बंसत कुमार दुबे आदि द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन केवीके प्रभारी डा. वाईके शर्मा ने किया। कार्यक्रम से पूर्व सभी अतिथियों का पटुका एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। वहीं 5 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी, आवेश कुमार, उप कृषि निदेशक शोध, डा बृजमोहन, डा. रविन्द्र कुमार, रीतराम, ओमप्रकाश, सौदान, जयवीर, तेजपाल, सरदार, शिवराम और धर्मवीर, आदि मौजूद रहे।

ईवी से नवाबी अंदाज तकः लखनऊ में 'मोंट्रा इलेक्ट्रिक चौक' और 'वीमेन इन चार्ज' कार्यक्रम की शुरूआत

- श्री राजेश चौधरी, विधायक, मथुरा; श्री संतोष रंजन राय, प्रदेश महासचिव, बीजेपी; एवं श्री रॉय कुरियन, सीईओ, लास्ट माइल मोबिलिटी, मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने शहर के मध्य स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के निकट मोंट्रा इलेक्ट्रिक चौक का उद्घाटन किया।
- इस मौके पर मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने ह्यवीमेन इन चार्जह्ल कार्यक्रम भी लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य है महिला ऑटो चालकों के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण और सहयोग के माध्यम से एक सशक्त समुदाय का निर्माण करना।
- कार्यक्रम के तहत लखनऊ के ऑटो चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया।

लखनऊ, 2 अगस्त 2025 झ 125 वर्षों पुराने मुरुगप्पा ग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने आज लखनऊ के टीले वाली मस्जिद चौराहा, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के पास ह्यमोंट्रा इलेक्ट्रिक चौकह्ल का अनावरण किया। इस अनोखे सिविक लैंडमार्क की खास बात है कंपनी के इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर से प्रेरित सुपर ऑटो थीम पर आधारित बस शेल्टर, जो न सिर्फ एक आधुनिक यात्री प्रतीक्षालय है, बल्कि लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल परिवहन को लेकर बढ़ती जागरूकता का प्रतीक भी है।

इस प्रतिष्ठान का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राजेश चौधरी, विधायक, मथुरा; श्री संतोष रंजन राय, प्रदेश महासचिव, भाजपा; और मोंट्रा इलेक्ट्रिक के लास्ट माइल बिजनेस के सीईओ श्री रॉय कुरियन भी उपस्थित रहे।

इस पहल की सराहना करते हुए परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने

कहा, ह्लमोंट्रा इलेक्ट्रिक चौक यह दिखाता है कि डिजाइन और सतत विकास किस तरह मिलकर किसी शहर के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं। यह देखकर खुशी होती है कि मोंट्रा इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियां सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान दे रही हैं। मैं 'वीमेन इन चार्ज' कार्यक्रम की विशेष रूप से सराहना करता हूं, जो महिलाओं को ई-ऑटो चलाकर आत्मनिर्भर उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करता है।ह्ल

इस अवसर पर मोंट्रा इलेक्ट्रिक के एलएमएम के सीईओ श्री रॉय कुरियन ने कहा, ह्लमोंट्रा इलेक्ट्रिक में हम मोबिलिटी को सिर्फ एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का साधन नहीं, बल्कि इसे अवसर, पहुंच और सम्मान से जोड़कर देखते हैं। मोंट्रा इलेक्ट्रिक चौक ऐसा ही एक छोटा लेकिन अहम प्रयास है, जो इन मूल्यों को दर्शाने वाले सार्वजनिक स्थानों की ओर एक कदम है। ह्यवूमेन इन चार्जह्ल जैसी पहल और लखनऊ के ऑटो चालकों के साथ हमारा मिलकर किया गया काम, इस हमारे शहरों को वास्तव में चलाते हैं।ह्ल

सामुदायिक भागीदारी की पहल भी हुई शुरू

उद्घाटन कार्यक्रम के साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में दो खास सामुदायिक पहलों की शुरूआत भी की गई, जो समावेशी और सहभागिता आधारित शहरी परिवहन के प्रति मोंट्रा इलेक्ट्रिक की प्रतिबद्धता को और मजबूती देती हैं:

1. ह्यवूमेन इन चार्जह्लः महिलाएं चलाएंगी इलेक्ट्रिक ऑटो

इस पहल का मकसद वंचित तबके की महिलाओं को इलेक्ट्रिक ऑटो चलाने के लिए प्रशिक्षित और सक्षम बनाना है। 30झ40 दिन के इस प्रशिक्षण में थ्योरी क्लास, प्रैक्टिकल ड्राइविंग, ईवी रखरखाव की जानकारी और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए सहयोग शामिल है। इसकी शुरूआत कानपुर से होगी और आगे उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में भी इसे शुरू किया जाएगा।

2. लखनऊ के ऑटो चालकों के लिए मुफ्त नेत्र जांच शिविर

परिवहन कर्मियों की दृष्टि से जुड़ी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने लखनऊ के ऑटो चालकों के लिए एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया। इसमें सामान्य आंखों की जांच, स्वास्थ्य सलाह और जरूरत होने पर आगे के इलाज के लिए रेफरल की सुविधा दी गई। यह पहल ड्राइवरों की सेहत और सड़क सुरक्षा के बीच के रिश्ते को रेखांकित करती है।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक चौक सिर्फ एक नया स्थल नहीं, बल्कि लखनऊ के शहरी परिदृश्य में स्वच्छ, स्मार्ट और समावेशी परिवहन की दिशा में एक ठोस शुरूआत है। यह उदाहरण है कि किस तरह सार्वजनिक ढांचे को नये सिरे से डिजाइन कर न केवल परिवहन की जरूरतें पूरी की जा सकती हैं, बल्कि उससे जुड़ी कम्युनिटी से भी गहरा संबंध बनाया जा सकता है।

सुपर ऑटो थीम वाला यह शेल्टर इसी बदलाव का प्रतीक है — एक ऐसा संगम, जहां परंपरा और तकनीक एक साथ मिलकर लखनऊ को स्वच्छ, सशक्त और बेहतर जुड़ा शहर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक का थ्री-व्हीलर सुपर ऑटो खासतौर पर ड्राइवरों को बेहतर आराम, सुरक्षा और अधिक कमाई देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें फास्ट चार्जिंग, लंबी रेंज और स्मार्ट कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं, जो इसे भारतीय शहरों की बदलती जरूरतों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती हैं। लखनऊ में सुपर ऑटो की बिक्री और सेवा के लिए दो एक्सक्लूसिव शोरूम मौजूद हैं — एक ट्रांसपोर्ट नगर (ऐक्सिस मोटर्स) में और दूसरा गांधी नगर (सन मोटर्स) में, ताकि व्यक्तिगत ड्राइवरों और फ्लीट ऑपरेटरों को आसान बिक्री, सेवा और भरोसेमंद सहयोग मिल सके।

रामायण के 'श्रीराम' रणबीर कपूर का 250 करोड़ का बंगला, एंट्री के लिए की जा रही ग्रैंड तैयारी, जानें क्या है खास

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर प्रभु श्रीराम का किरदार निभाते नजर आएंगे। लोग बड़ी ही बेसब्री से इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

रणबीर कपूर-आलिया भट्ट का 250 करोड़ का बंगला

इसी बीच खबर है कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में अपने नए आलीशान बंगले में शिफ्ट होने के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं। इस पावर कपल का 250 करोड़ रुपये का आलीशान बंगला आखिरकार बनकर तैयार हो गया है और गृह प्रवेश की तैयारियां जोरों पर हैं।

पारंपरिक गृह प्रवेश की तैयारियां हुईं शुरू

गृह प्रवेश की पूजा और पार्टी से पहले आलिया भट्ट ने अपनी सास एक्ट्रेस नीतू कपूर के साथ इस आलीशान बंगले का दौरा किया। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार,

पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह के बाद, ये कपल जल्द ही अपने नए घर में शिफ्ट हो जाएंगे।

बंगले का नाम रखा गया है 'कृष्णा राज'

जानकारी के अनुसार इस नए बंगले को रणबीर कपूर की दिवंगत दादी कृष्णा राज कपूर के सम्मान में 'कृष्णा राज' नाम दिया गया है। ये बहुमंजिला बंगला कपूर परिवार की विरासत और वैभव का प्रतीक है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें बंगले में 6 फ्लोर्स बनाए गए हैं और इसे पिछले कुछ सालों से बड़ी बारीकी से तैयार किया जा रहा था।

बंगले में शिफ्ट होने के बाद होगी ग्रांड पार्टी

-मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जैसे ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपनी बेटी राहा कपूर के साथ इस बंगले में शिफ्ट हो जाएंग, तो इस प्रोजेक्ट से जुड़ी पूरी टीम के लिए एक खास डिनर का आयोजन किया जाएगा।

-जानकारी के अनुसार इस बंगले में अत्याधुनिक वास्तुकला, आलीशान इंटीरियर और काम व आराम, दोनों के लिए पर्याप्त जगह है, जो इसे इस स्टार परिवार के लिए एक आदर्श घर बनाता है।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

-आपको बता दें कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट, फिलहाल दोनों ही अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग को लेकर काफी बिजी चल रहे हैं। एक तरफ जहां रणबीर कपूर जल्द ही नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं उनकी पत्नी एक्ट्रेस आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की मूवी में दमदार एक्शन करती दिखाई देंगी।

-खबर है कि आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनी हैं। आलिया भट्ट अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' में अपने दमदार एक्शन से लोगों को सरप्राइज देने वाली हैं। फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। लोग आलिया भट्ट का ये नया अवतार देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

कर्नाटक में पहली बार मेट्रो से हुआ लिवर ट्रांसप्लांट के लिए ऑर्गन ट्रांसपोर्ट, बेंगलुरु में कैसे हुआ मिशन पूरा

(जीएनएस)।

बेंगलुरु में इतिहास रचते हुए पहली बार कर्नाटक में किसी मानव अंग को मेट्रो रेल के जरिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक पहुंचाया गया। यह अनोखा और जिंदगी बचाने वाला मिशन वैदेही अस्पताल से स्पर्श अस्पताल, आरआर नगर तक किया गया।

इस मिशन में एक लिवर (यकृत) को बेहद कम समय में ट्रांसपोर्ट किया गया, ताकि मरीज को समय पर ट्रांसप्लांट मिल सके। आमतौर पर बेंगलुरु शहर की ट्रैफिक समस्या ऑर्गन ट्रांसपोर्ट में बड़ी बाधा बनती है, लेकिन इस बार मेट्रो को चुना गया,

जिससे न सिर्फ समय बचा बल्कि यह एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

कैसे हुआ यह 'ग्रीन कॉरिडोर मेट्रो मिशन'?

इस ऐतिहासिक ऑपरेशन के लिए बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन , स्वास्थ्य विभाग, और बेंगलुरु पुलिस ने मिलकर एक विशेष योजना बनाई। मेट्रो को बिना रुके चलने दिया गया - यानी मेट्रो के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, ताकि अंग (ऑर्गन) समय पर अस्पताल पहुंच सके। नम्मा मेट्रो के अधिकारियों ने पुष्टि की कि ट्रेन को बिना रुके यात्रा की अनुमति दी गई है। स्पर्श अस्पताल, जो लिवर ट्रांसप्लांट के लिए जाना जाता है, ने इस अनोखे प्रयास को लेकर गर्व जताते हुए कहा- "कर्नाटक में पहली बार मानव ऑर्गन को मेट्रो के जरिए ट्रांसपोर्ट किया गया। वायदेही से स्पर्श तक इस जीवनरक्षक प्रयास में हम अपनी टीम की अद्भुत तालमेल पर गर्व महसूस करते हैं।"

महावन पुलिस ने तीन किशोरों को पकड़ा : चोरी के वाहन और मोबाइल बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना महावन क्षेत्र स्थित जयपुर-बरेली हाईवे के पास से पुलिस ने तीन नाबालिगों को चोरी के वाहन और मोबाइल समेत पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी महावन सुधीर कुमार पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि जयपुर-बरेली निमार्णाधीन हाईवे के निकट मनोहरपुर पुल के पास थाना महावन और थाना वृंदावन क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से चोरी की गईं बाइक और चोरी के मोबाइल को बेचने की फिराक में खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार पुलिस टीम में एसआई ध्यानवीर सिंह, एसआई सुरेश चन्द्र, चौकी प्रभारी खप्परपुर योगेश कुमार और एसआई विषय कुमार आदि के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने वहां से बाइक और मोबाइल चोरी करने वाले तीन किशोर को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने पकड़े गए बाल अपचारियों के कब्जे से चोरी की 3 चोरी की बाइक और 4 चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। पकड़े गए बाल अपचारियों ने थाना वृंदावन और थाना महावन क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से बाइक और मोबाइल चोरी करते थे। पुलिस ने पकड़े गए बाल अपचारियों को किशोर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

मैरिज होम से एसी चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना वृंदावन क्षेत्र स्थित सोम आश्रम के पास से पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शातिर ने मैरिज होम से एयर कंडीशनर चोरी कर लिया था। जानकारी के अनुसार चौकी प्रभारी केशवधाम चेतन भारद्वाज पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सोम आश्रम के निकट रेलवे लाइन के पास एक शातिर चोर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी चेतन भारद्वाज पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा शातिर भागने लगा। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर चोर आशीष पुत्र छोटेलाल निवासी जयसिंहपुरा, गणेशधाम कॉलोनी बिरला मंदिर थाना गोविंदनगर को दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से चोरी का एयर कंडीशनर (एसी) बरामद किया है। बता दें कि पकड़े गए शातिर ने विगत 31 जुलाई को श्रीजी पैलेस मैरिज हॉल में लगी एसी को चोरी कर ले गया था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।